अब आंदोलन की राह पर ओबीसी महासभा

ओबीसी आरक्षण : सुप्रीम कोर्ट में होनी थी सुनवाई, सरकार की ओर से नहीं पहुंचे अधिवक्ता

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 29 जनवरी. मप्र में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने के प्रकरण में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई थी, लेकिन मप्र सरकार की ओर से पक्ष रखने के लिये कोई भी अधिवक्ता नहीं पहुंचा. ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर सुनवाई की तारीख आगे बढ़ा दी.

सरकार के इस रवैये पर ओबीसी महासभा ने नाराजगी जताई है. ओबीसी आरक्षण के मामले में सरकार की ओर से ठोस पक्ष नहीं रखने से तारीख पर तारीख मिल रही है. ऐसे में अब महासभा ने एक बार फिर आंदोलन की चेतावनी दी है. ओबीसी महासभा ने कहा है कि शीघ्र ही एक बड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी.

ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य और याचिकाकर्ता लोकेन्द्र गुर्जर के मुताबिक गुरुवार की सुनवाई के दौरान ओबीसी समाज को यह गहरी निराशा हुई कि राज्य सरकार की ओर से कोई ठोस और प्रभावी पक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे लंबे समय से लागू 13 फीसदी होल्ड हटाने की दिशा में कोई निर्णय नहीं हो सका. इस लगातार हो रही देरी से ओबीसी समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. इसे केवल न्यायिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि ओबीसी समाज के संवैधानिक अधिकारों के साथ अन्याय के रूप में देखा जा रहा है. गुर्जर ने साफ किया है कि अब केवल अदालत की तारीखों का इंतजार नहीं किया जाएगा. संगठन ने निर्णय लिया है कि जल्द ही एक बड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी, जिसकी तिथि और रूपरेखा शीघ्र सार्वजनिक की जाएगी. गुर्जर के मुताबिक जब तक ओबीसी समाज को उसका संवैधानिक 27 फीसदी आरक्षण और 13 फीसदी होल्ड से मुक्ति नहीं मिलती, तब तक संघर्ष जारी रहेगा.

इनका कहना है

बार-बार तारीख देना ओबीसी समाज के साथ अन्याय है. अब आंदोलन अनिवार्य हो गया है. बहुत जल्द आंदोलन की तारीख की घोषणा की जाएगी.

लोकेंद्र गुर्जर, सदस्य ओबीसी महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी एवं याचिकाकर्ता

मुख्यालय पर नहीं रहते पशु कृत्रिम रेतन केंद्र प्रभारी

बैरसिया क्षेत्र के पशुपालक परेशान

बैरसिया, 29 जनवरी. बैरसिया पशु कृत्रिम रेतन केंद्र प्रभारी मुख्यालय पर नहीं रहते हैं, जिससे बैरसिया क्षेत्र के पशुपालक परेशान हो रहे हैं. इस केंद्र में प्रभारी डॉक्टर पीएल जैन पदस्थ हैं. बताया जाता है कि वह महीने में सिर्फ 7-8 दिन दफ्तर आते हैं.

गुरुवार को ग्रामीण इलाकों से आए पशुपालक किशोरीलाल अहिरवार, तोरण सिंह यादव, मनमोहन व संतोष दांगी ने बताया कि बैरसिया पशु कृत्रिम रेतन केंद्र जब भी गए हैं, वहां योजना प्रभारी डॉक्टर पीएल जैन बैठे नहीं मिले. पशुपालकों का कहना है कि आचार्य विद्यासागर योजना एवं भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की जानकारी नहीं होने से वे इन योजनाओं के लाभ से वंचित हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी मुताबिक बैरसिया ब्लॉक में 20 पशु कृत्रिम रेतन सब सेन्टर संचालित हैं, कुछ तो समय पर खुल रहे हैं और निरीक्षण के अभाव में अधिकांश बंद रहते हैं. पशुपालक पशु नस्ल सुधार प्रशिक्षण, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा एवं उच्च गुणवत्ता वाले सांडों के सीमेन का उपयोग जैसी विभागीय योजनाओं के लाभ से कोसों दूर हैं. इस संबंध में जब विभाग के डिप्टी डायरेक्टर अभिजीत शुक्ला से उनके मोबाइल फोन पर बात करना चाही तो उनका मोबाइल फोन रिसीव नहीं हुआ. इधर, एसडीएम आशुतोष शर्मा ने कृत्रिम रेतन केंद्र बैरसिया का औचक निरीक्षण कर कार्रवाई की बात कही है.

एकेडमिक समन्वयक सक्सेना सम्मानित

बैरसिया, 29 जनवरी. पीएम पोषण आहार योजना के सफल क्रियान्वयन पर जनपद शिक्षा केंद्र बैरसिया विकासखंड के एकेडमिक समन्वयक योगेश सक्सेना को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भोपाल ईला तिवारी (आईएएस) द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया.

भारत की विश्व स्तर पर पहचान प्रशंसनीय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आर्थिक सर्वेक्षण पर दी प्रतिक्रिया

भोपाल, 29 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ रहा है. आज प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण समावेशी विकास के महत्व पर बल देता है.

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं सर्वेक्षण को समावेशी विकास का प्रतीक बताया है, जिसमें किसानों, एमएसएमई, युवाओं के लिए रोजगार और समाज कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2025-26 में 7.4% ग्रास डोमेस्टिक प्रोडक्ट (सकल घरेलू उत्पाद) एवं 7.3% ग्रास वेल्यू एडेड (सकल मूल्य वर्धित) वृद्धि दर के साथ भारत विश्व में लगातार चौथे वर्ष सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है.

भारत की यह पहचान विश्व स्तर पर बनी है, जो प्रशंसनीय है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आर्थिक सर्वेक्षण पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक ताकत के रूप में उभरने की यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत की शक्ति और विकसित भारत के संकल्प की अभिव्यक्ति है, जिसमें हर भारतीय का कठोर श्रम, समर्पण भावना और सक्रिय सहभागिता शामिल है. उल्लेखनीय है कि आर्थिक सर्वेक्षण भारत की रिफॉर्म एक्सप्रेस (सुधारों की गति) की एक व्यापक तस्वीर पेश करता है, जो चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिवेश के बावजूद निरंतर प्रगति को दर्शाता है.

आर्थिक सर्वेक्षण मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे, निरंतर विकास की गति और राष्ट्र निर्माण में नवाचार, उद्यमिता एवं इंफ्रास्ट्रक्चर की विस्तार लेती भूमिका को उजागर करता है.

एक नजर में

गेहूं से भरे ट्रक ने यात्री बस, फिर कार को मारी टक्कर

सलामतपुर. भोपाल विदिशा हाइवे 18 पर सलामतपुर थाने के वाटिका ढाबे के पास एक तेज़ रफ़्तार गेहूं से भरे ट्रक के चालक ने एक यात्री बस में टक्कर मारते हुए विदिशा जिला पंचायत अध्यक्ष की लग्जरी कार को ठोंक दिया. गनीमत रही कि किसी को भी चोटें नही आईं. हादसे के बाद भोपाल विदिशा रोड पर लंबा जाम लग गया. मौके पर पहुंची सलामतपुर पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारु रूप से शुरू हो पाया. पुलिस के अनुसार गुरुवार को दोपहर लगभग तीन बजे वाटिका ढाबे के पास सागर से इंदौर से गेहूं लेकर जा रहे ट्रक एमपी 15 एचए 3279 के ड्राइवर ने तेज व लापरवाही से ट्रक चलाते हुए आगे चल रही भोपाल जाने वाली यात्री बस गुप्ता ट्रेवल्स में टक्कर मारी और फिर विदिशा जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश रघुवंशी की लग्जरी कार एमपी13 जेडयू 5339 में सामने से टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि कार आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. पुलिस ने ट्रक ज़ब्त कर चालक के विरुद्ध धारा 281 बीएनएस का मामला दर्ज कर जांच में लिया है.

स्कूली बच्चों को बताए साइबर क्राइम से बचने के तरीके

सलामतपुर. इन दिनों बढ़ते साइबर अपराधों से बचने के लिए जिले में जागरूकता अभियान कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. इसी कड़ी में गुरुवार को सलामतपुर पुलिस ने शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल में जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया. यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार के मार्गदर्शन में सलामतपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी, और आरक्षक रोहित गोस्वामी ने टीम के साथ शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया .कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम के बढ़ते खतरे और उससे बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी गई. दिनेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि साइबर क्राइम के विभिन्न रूप, जैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, और सोशल मीडिया से संबंधित खतरे, किस तरह युवाओं को प्रभावित कर सकते हैं. उन्होंने छात्रों को सतर्क रहने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने और साइबर सुरक्षा के बुनियादी उपाय अपनाने की सलाह दी. इसके साथ ही यातायात संबंधित जानकारी भी बच्चों को उपलब्ध कराई गई.

ओवरब्रिज निर्माण के लिए 10 गांवों का रास्ता बंद

सलामतपुर. सांची जनपद के मुड़ियाखेड़ा रेलवे गेट पर बन रहे ओवरब्रिज निर्माण के दौरान निर्माण एजेंसी की लापरवाही खुलकर सामने आ रही है. एजेंसी द्वारा यहां डाइवर्ट मार्ग नहीं बनाया गया है, और जो दस गांवों का रास्ता था उसे भी बिना कोई पूर्व सूचना के दो दिन के लिए बंद कर दिया गया है. फाटक बंद होने से हज़ारों ग्रामीण के छोटे या बड़े कोई भी वाहन नहीं निकल पा रहे हैं. यहां से ग्रामीणों को पैदल ही निकलना पड़ रहा है. इस वजह से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. गुरुवार को फाटक बंद होने से कई वाहन दोनों और फंस गए. ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति रोज देखने को मिलती है, लेकिन निर्माण एजेंसी और प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है. सांची जनपद के गांव मुड़ियाखेड़ा में रेलवे गेट पर ओवर ब्रिज का काम शुरू हुए काफी समय हो गया है. निर्माण पूरा होने के बाद इन मार्गों पर पड़ने वाले दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी. लेकिन अभी तो ब्रिज कंप्लीट भी नही हुआ और लोगों की परेशानियां शुरू हो गईं. बता दें कि भोपाल बीना तीसरी रेलवे ट्रैक के बाद ट्रेनों की संख्या के साथ उनके फेरे भी बढ़ गए हैं. कई बार रेलवे क्रासिंग बंद करनी पड़ती है.

कॉम्बिंग गस्त में गुंडे, बदमाशों को चैक कर दी हिदायत

सलामतपुर. पुलिस ने बीती रात कॉम्बिंग गस्त के दौरान गुंडे, जिलाबदर बदमाशों को चेक कर उन्हें सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी गई. थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रायसेन आशुतोष गुप्ता के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में बुधवार गुरुवार की मध्य रात्रि में समस्त एसडीओपी के नेतृत्व में थानावार टीमें गठित कर स्थाई, फरार वारंटियों की धरपकड़ और गुंडा, बदमाश सहित अपराधिक लोगों की निगरानी हेतु रात्रि कॉम्बिंग गस्त की गई. रात्रि कॉम्बिंग गस्त के दौरान थानावार पुलिस टीम ने स्थाई वारंटी गिरफ्तार किए और गिरफ्तारी वारंट भी तामिल कराए गए. संपत्ति संबंधी आरोपियों को चैक किये. अन्य आरोपियों को चैक किया गया है. वहीं मध्य रात्रि में होटल, ढाबा, अस्पताल, एटीम चेक किए और अकारण घूम रहे व्यक्तियों से पूछताछ सहित वाहनों को भी चेक किया गया.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पद्मश्री नारायण व्यास से की भेंट

भोपाल, 29 जनवरी. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने पुरातत्वविद् नारायण व्यास को पुरातत्व एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित होने पर गुरुवार को भोपाल स्थित उनके आवास पर भेंट कर उन्हें आत्मीय बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. इस दौरान भाजपा की प्रदेश मंत्री राजो मालवीय, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति उपस्थित रहे.

एमपी के शिल्पों की दिल्ली हाट में प्रदर्शनी

भोपाल, 29 जनवरी. प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के पाँच पारंपरिक कारीगर 31 जनवरी 2026 तक दिल्ली हाट, नई दिल्ली में आयोजित शिल्प एवं हस्तकला प्रदर्शनी में सहभागिता कर रहे हैं. यह सहभागिता भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है तथा राज्य नोडल विभाग हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय, भोपाल द्वारा समन्वित की जा रही है.

मध्यप्रदेश से चयनित ये पाँच कारीगर प्रदेश की जीवंत एवं समृद्ध शिल्प परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं. इनके द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे उत्पादों में इंदौर के पारंपरिक चमड़े के खिलौने, सीहोर के लकड़ी के खिलौने, पारंपरिक लकड़ी की नक्काशीदार मूर्तियाँ, बेतूल की डोकरा (घंटी धातु) कला तथा चमड़े से निर्मित परिधान एवं एसेसरीज़ शामिल हैं.

कारीगरों का संक्षिप्त परिचय

जितेंद्र, बैतूल (म.प्र.) से डोकरा (घंटी धातु) कारीगर हैं, जो पीढ़ियों से अपने परिवार के साथ इस पारंपरिक हस्त ढलाई धातु शिल्प से जुड़े हुए हैं. उनकी कृतियाँ स्थानीय संस्कृति में निहित पारंपरिक शिल्प कौशल को दर्शाती हैं. केदारनाथ साहू, शहडोल जिले के परंपरागत लकड़ी शिल्पकार हैं. उनकी कारीगरी पारंपरिक शिल्प कौशल को आधुनिक डिज़ाइन दृष्टिकोण के साथ संयोजित करती है, जिससे आकर्षक एवं समकालीन लकड़ी की कलाकृतियाँ निर्मित होती हैं.

फर्जी आपत्तियां रद्द कर दर्ज की जाए एफआईआर

बेगमगंज, 29 जनवरी. मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम काटने के लिए लगाई गई फर्जी आपत्तियों को रद्द करने और आपत्ति लगाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई.

गुरुवार को मुस्लिम त्योहार कमेटी अध्यक्ष हाजी शफीक अली और उलेमा ए दीन के नेतृत्व में लोग नारेबाजी करते हुए पुराना बस स्टैंड से एसडीएम कार्यालय पहुंचे और एसडीएम सौरभ मिश्रा को ज्ञापन सौंप कर बिना साक्ष्य के लगाई गई आपत्तियों को निरस्त कर दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने अपने कर्तव्यों का सही पालन नहीं करने वाले कुछ बीएलओ के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है. ज्ञापन में बताया है सिलवानी विधानसभा क्षेत्र के बेगमगंज क्षेत्र में भी एक साजिश के तहत असंवैधानिक तरीके से पोलिंग बूथ के बाहर के लोगों के नाम और उनके मोबाइल नंबर दर्ज कर मुस्लिम समुदाय के मतदाताओं के नाम काटने को लेकर बिना साक्ष्य की आपत्तियां प्रस्तुत की गई है. एक व्यक्ति के नाम से एक ही हैंडराइटिंग में आपत्तियां रिटर्निंग आफीसर के समक्ष प्रस्तुत की गई है. रिटर्निंग आफीसर द्वारा जांच के आदेश दिए हैं.

मिनी ट्रक की टक्कर से बस खाई में उतरी, ड्राइवर गंभीर

सलामतपुर, 29 जनवरी. भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे क्रमांक 18 पर गुरुवार दोपहर 1:00 बजे के आसपास सड़क हादसा हो गया. चोपड़ा के पास विदिशा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ईंटों से लदे 407 वाहन ने यात्री बस को ड्राइवर साइड से जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर के बाद बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे करीब 20 फीट गहरी खाई में उतर गई.

बताया जा रहा है कि गुप्ता कंपनी की यह यात्री बस भोपाल से सलामतपुर होते हुए विदिशा जा रही थी. हादसे में बस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बस में सवार कई यात्रियों को भी चोटें आई हैं. राहगीरों द्वारा घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया. स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्टेट हाईवे 18 पर ईंटों से लदे 407 वाहन बेखौफ होकर तेज रफ्तार में दौड़ रहे हैं, जिन पर न तो आरटीओ और न ही खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है. लोगों ने अवैध ईंट परिवहन पर सख्त कार्रवाई और हाईवे को शीघ्र फोरलेन किए जाने की मांग की है.

स्टेट हाईवे पर चोपड़ा के पास हादसा, कई यात्रियों को आई चोटें

शीघ्र हो फोरलेन, तब आएगी हादसों में कमी

भोपाल विदिशा स्टेट हाइवे 18 पर सड़क हादसे रुकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं. इन रोज़ होने वाले हादसों की वजह से ही अब इस सड़क को खूनी सड़क भी कहा जाने लगा है. वहीं सलामतपुर, दीवानगंज व बालमपुर, बेरखेड़ी चौराहा क्षेत्र के लोगों ने इस स्टेट हाइवे को फोरलेन करने की मांग शासन प्रशासन से की है. गौरतलब है कि भोपाल विदिशा स्टेट हाइवे 18 पर एक वर्ष में लगभग सौ सड़क हादसे हो चुके हैं. जिसमें पच्चीस से ऊपर लोगों की मौत भी हो चुकी है. सलामतपुर व सूखी सेवनिया पुलिस भी रोज़ हो रही इन दुर्घटनाओं की वजह से काफी परेशान है. क्योंकि थाने में पुलिस बल काफी कम है. और सड़क हादसों में पुलिस बल भेजने के बाद थाने में पुलिस बल कम पड़ जाता है. जिससे थाने आए फरियादियों को परेशानी का सामना भी करना पड़ता है. स्थानीय ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से स्टेट हाइवे 18 को फ़ोरलेन करने की मांग की है.

साहित्य महोत्सव | सीएम ने वर्चुअली किया सीतामऊ साहित्य महोत्सव का शुभारंभ

शोधार्थियों का तीर्थ स्थल है नट नागर संस्थान

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 29 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सीतामऊ के महाराज कुमार रघुवीर सिंह ने 1974 में नट नागर संस्थान की स्थापना की.

यह संस्थान आज शोधार्थियों का तीर्थ स्थल के रूप में जाना जाता है. संस्थान, 30 हजार दुर्लभ पांडुलिपियों होने से यह एशिया की लाइब्रेरी के रूप में विख्यात है. यहां से न सिर्फ भारतवर्ष के बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोधार्थी विभिन्न विषयों से संबंधित पीएचडी का शोध भी करते है. संस्थान से इतिहासकार और हिंदी साहित्य जगत से रामधारी सिंह दिनकर, श्रीमती महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत, हजारी प्रसाद द्विवेदी आदि प्रसिद्ध नाम भी संबंधित है. संस्थान में महत्वपूर्ण पांडुलिपियों में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित कई दस्तावेजों के अतिरिक्त 1857 की क्रांति के महत्वपूर्ण दस्तावेज भी संग्रहित है. यह संस्थान भारतीय इतिहास साहित्य और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण केंद्र स्थल है.

द्वितीय सीतामऊ साहित्य महोत्सव का आयोजन सीतामऊ स्थित नट नागर शोध संस्थान में किया जा रहा है. देशभर से साहित्य क्षेत्रों के विद्वान, वक्ता, कलाकार, इतिहासकार महोत्सव में शामिल हो रहे है. साहित्य महोत्सव को नॉलेज कुंभ के रूप में विकसित किया गया है. इसमें स्कूल के बच्चों से तारामंडल संबंधी गतिविधियां आयोजित की जा रही है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 दिवसीय द्वितीय सीतामऊ साहित्य महोत्सव का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वर्चुअल शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महोत्सव में शामिल महानुभावों से कहा कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान के इस पर्व में आपका स्वागत है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को आयोजित कर हजारों वर्षों से राष्ट्र और सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी. सोमनाथ का उन्नत शिखर और आकाश में लहराता ध्वज हमें गर्व से भर देता है. इसी प्रकार नट नागर शोध संस्थान विश्व और राष्ट्र की अनमोल धरोहर है और तीर्थस्थल के समान है. सीतामऊ में स्थित यह अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थान हमारे गौरवशाली अतीत की विरासत से विकास तक की जानकारी रखता है.

आईटीआई की गुणवत्ता बिना कौशल विकास संभव नहीं

आईटीआई संबद्धता मानदंड-2025 पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

भोपाल, 29 जनवरी. कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश में कौशल प्रशिक्षण को केवल प्रशिक्षण तक सीमित न रखते हुए उसे सीधे रोजगार और उद्योग की आवश्यकताओं से जोड़ा जा रहा है.

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित किए बिना रोजगारोन्मुख कौशल विकास संभव नहीं है. नवीन आईटीआई संबद्धता मानदंड-2025 इसी दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी पहल है, जो प्रशिक्षण संस्थानों को अधिक सक्षम, उत्तरदायी और उद्योग-उपयोगी बनाएगा. यह बात राज्यमंत्री श्री टेटवाल ने ग्लोबल स्किल पार्क में आईटीआई संबद्धता-2025 पर आयोजित कार्यशाला में कही.

राज्यमंत्री टेटवाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए संबद्धता मानदंडों से प्रशिक्षण प्रणाली में एकरूपता आएगी और संस्थानों के संचालन में स्पष्टता सुनिश्चित होगी. इससे न केवल प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधरेगी, बल्कि उद्योगों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप कुशल मानव संसाधन भी उपलब्ध होगा.

यह कार्यशाला संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल में आयोजित की गई.